Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 14-12-2006

Participants : Sajjan Kumar Shri

>

Title : Need to include Prajapati/Kumhar community in the list of SCs/STs - laid.

श्री सज्जन कुमार (बाहरी दिल्ली) : महोदय, मैं सरकार का ध्यान प्रजापति (कुम्हार) जाति को अनुसूचित जाति/जनजाति की सूची में सम्मिलित किये जाने की ओर दिलाना चाहता हूं, जिससे इस जाति को संविधान में सभी क्षेत्रों में आरक्षण दिये जाने की सुविधायें मिल सकें। प्रजापति जाति का प्रतिशत देश की जनसंख्या में छः प्रतिशत है, आजादी के बाद भी इस जाति का सामाजिक, शैक्षिक तथा आर्थिक विकास नहीं हुआ है तथा यह जाति इन सभी क्षेत्रों में अनुसूचित जाति/जनजातियों में सबसे पिछड़ी है। 1911 की जनगणना में जाति को सामाजिक, शैक्षिक तथा आर्थिक रूप से पिछड़ा होने से दलित जाति में रखा गया है। 1931 में साइमन कमीशन की रिपोर्ट में भी कुम्हार जाति को दलित जाति की सूची में रखा गया था। केन्द्र/राज्य सरकारों द्वारा कई आयोग/समितियां गठित की गईं ति इनकी भी यह सिफारिश है कि यह जाति पिछड़ी है। मध्य प्रदेश के जबलपुर, रीवा, सतना, सीधी आदि जिलों में कुम्हार जाति को अनुसूचित जाति/जनजाति की सूची में रखा गया है जिससे वे सभी सुविधायें तथा आरक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

मैं केन्द्र सरकार से अनुरोध करता हूं कि इस विाय पर गंभीरता से विचार कर संविधान में संशोधन कर कुम्हार/प्रजापति जाति को अनुसूचित जाति/जनजाति में सम्मिलित किया जाये।

---

* Treated as laid on the Table.